Series : SOS/1

Code No. कोड नं. **29/1/1**

Roll No. रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहस की ज़िन्दगी सबसे बड़ी ज़िन्दगी होती है । ऐसी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ़ होती है । साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं । जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है । अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है । क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं ।

साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है । साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, पर वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है । अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िन्दगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता ।

ज़िन्दगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम को झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह पर एक घेरा डालता है, वह अंतत: अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है और ज़िन्दगी का कोई मज़ा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में, उसने ज़िन्दगी को ही आने से रोक रखा है । ज़िन्दगी से, अंत में हम उतना ही पाते हैं जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं । पूँजी लगाना ज़िंदगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को उलट कर पढ़ना है जिसके सभी अक्षर फूलों से ही नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं ।

(क) साहस की ज़िंदगी जीने वालों में ऐसी कौन सी विशेषताएँ हैं जिनके कारण उन्हें अन्य लोगों से अलग किया जा सकता है ? **2**

(ख) "ज़िन्दगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है" – कैसे ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(ग) कैसा आदमी सुखी नहीं हो सकता और क्यों ? **2**

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – "ज़िंदगी से, अंत में हम उतना ही पाते हैं, जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं ।" **2**

(ङ) जीवन में साहस क्यों अपेक्षित है ? **2**

(च) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

(छ) गद्यांश में क्या संदेश दिया गया है ? संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए । **1**

(ज) मिश्र वाक्य में बदलिए – जनमत की उपेक्षा कर जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है । **1**

(झ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए – सकुशल, व्यावहारिक । **1**

(ञ) विशेषण बनाइए – साहस, क्रांति । **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

इस समाधि में छिपी हुई है
एक राख की ढेरी ।
जल कर जिसने स्वतंत्रता की
दिव्य आरती फेरी ।

यह समाधि, यह लघु समाधि है
झाँसी की रानी की ।
अंतिम लीला स्थली यही है
लक्ष्मी मर्दानी की ।।

यहीं कहीं पर बिखर गई वह
भग्न विजय-माला-सी ।
उसके फूल यहाँ संचित हैं
है यह स्मृति-शाला-सी ।।

सहे वार पर वार अंत तक
लड़ी वीर बाला-सी ।
आहुति-सी गिर पड़ी चिता पर
चमक उठी ज्वाला-सी ।।

बढ़ जाता है मान वीर का
रण में बलि होने से ।
मूल्यवती होती सोने की
भस्म यथा सोने से ।।

रानी से भी अधिक हमें अब
यह समाधि है प्यारी ।
यहाँ निहित है स्वतंत्रता की
आशा की चिनगारी ।।

इससे भी सुन्दर समाधियाँ
हम जग में हैं पाते ।
उनकी गाथा पर निशीथ में
क्षुद्र जन्तु ही गाते ।

पर कवियों की अमर गिरा में
इसकी अमिट कहानी ।
स्नेह और श्रद्धा से गाती
है वीरों की बानी ।।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में किसकी समाधि का उल्लेख किया गया है ? उसे अंतिम लीला स्थली क्यों कहा है ?

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए – 'यहीं कहीं पर बिखर गई वह भग्न विजय-माला-सी ।'

(ग) व्यक्ति का मान कब बढ़ जाता है ?

(घ) इससे भी सुंदर समाधियाँ होने पर भी यह समाधि विशेष क्यों बताई गई है ?

(ङ) रानी से भी अधिक उसकी समाधि प्रिय होने का कारण आपके विचार से क्या हो सकता है ?

अथवा

पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले !
पुस्तकों में है नहीं, छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जुबानी,
अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर, छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ, पंथी, पंथ का अनुमान कर ले !
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले !

है अनिश्चित किस जगह पर, सरित-गिरि-गह्वर मिलेंगे,
है अनिश्चित किस जगह पर, बाग-बन सुंदर मिलेंगे,
किस जगह यात्रा खत्म हो जाएगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित, कब सुमन, कब कंटकों के सर मिलेंगे,
कौन सहसा छूट जाएँगे, मिलेंगे कौन सहसा,
आ पड़े कुछ भी, रुकेगा तू न, ऐसी आन कर ले !
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले !

(क) चलने से पूर्व राह की पहचान करने की बात क्यों कही गई है ?

(ख) इस राह पर अनेक राहगीर अपने पैरों की निशानियाँ छोड़ गए – इसका भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) जीवन यात्रा के मार्ग में 'सुमन' और 'कंटक' से क्या अभिप्राय है ?

(घ) "किस जगह यात्रा खत्म हो जाएगी" कवि के इस कथन का क्या आशय है ?

(ङ) जीवन में क्या-क्या अनिश्चितताएँ बताई गई हैं ?

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) कमरतोड़ महँगाई

(ख) साम्प्रदायिकता की समस्या

(ग) मेरी मेट्रो मेरी शान

(घ) राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की उपलब्धियाँ

4. कल्पना कीजिए कि आपने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना अध्ययन पूरा कर लिया है और किसी प्रसिद्ध अखबार में पत्रकार-पद के लिए आवेदन भेजना है । अपने स्ववृत्त (बायोडेटा) सहित आवेदन पत्र लिखिए । **5**

अथवा

महानगरों में दिन-प्रतिदिन बढ़ती अपराध प्रवृत्तियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और इससे निपटने के लिए कुछ सुझाव भी दीजिए ।

5. फ़ीचर क्या है ? एक अच्छे फ़ीचर की किन्हीं चार विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **5**

अथवा

रेडियो और टेलीविज़न समाचारों की भाषा-शैली की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-दो** वाक्यों में दीजिए : **1 × 5 = 5**

(क) उलटा पिरामिड शैली से क्या तात्पर्य है ?

(ख) भारत में प्रथम छापाखाना कब और कहाँ खुला था ?

(ग) विशेष लेखन क्या होता है ?

(घ) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय क्यों है ?

(ङ) समाचार लेखन के छह 'ककार' कौन-कौन से हैं ?

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

चोट खाकर राह चलते
होश के भी होश छूटे,
हाथ जो पाथेय थे, ठग-
ठाकुरों ने रात लूटे,
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो ।

भर गया है ज़हर से
संसार जैसे हार खाकर,
देखते हैं लोग लोगों को,
सही परिचय न पाकर,
बुझ गई है लौ पृथा की,
जल उठो फिर सींचने को

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ ।
बार-बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ ।।
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे ।
"उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे "।।
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूष पहँ भैया ।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया" ।।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्र लिखी-सी ।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी-सी ।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'तोड़ो' कविता में पत्थर और चट्टानें किसके प्रतीक हैं ? कवि उन्हें तोड़ने का आह्वान क्यों करता है ?

(ख) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि ने उसे स्नेहभरा, गर्वभरा और मदमाता क्यों कहा है ?

(ग) बनारस में वसंत का आगमन कैसे होता है और उसका इस शहर पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **दो** का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) लघु सुरधनु-से पंख पसारे – शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – समझ नीड़ निज प्यारा ।

(ख) यह तन जारौं छार कै कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहिं मारग होइ परौं कंत धरैं जहँ पाउ ।।

(ग) तेलनि तूलनि पूँछ जरी न जरी जरी लंक जराइ जरी ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है । वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है । रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य । नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है । आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सैंक्शन' कहा करते हैं ।

अथवा

दूर जल-धारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था । उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम् त्याग दिया है, उसके अंदर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप, आत्माराम और निर्मलानंद है ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'संवदिया' के चरित्र की क्या विशेषताएँ हैं और गाँववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है ?

(ख) रामचंद्र शुक्ल ने चौधरी प्रेमघन के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को उजागर किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है ।' 'घड़ी के पुर्जे' पाठ के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए ।

12. विष्णु खरे **अथवा** विद्यापति के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए । **6**

अथवा

भीष्म साहनी **अथवा** ब्रजमोहन व्यास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : **3 + 3 + 3 = 9**

(क) 'आरोहण' कहानी में पत्थर की जाति से लेखक का क्या आशय है ? उसके विभिन्न प्रकारों के बारे में लिखिए ।

(ख) "हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है ।" 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर इस कथन पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) सूरदास की रुपयों से भरी पोटली भैरों के पास देख कर जगधर को कैसा लगा ? उसकी मन:स्थिति का वर्णन अपने शब्दों में पाठ के आधार पर कीजिए ।

(घ) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर उस स्मृति पर प्रकाश डालिए जिसके साथ लेखक को मृत्यु का बोध अजीब तौर से जुड़ा मिलता है ।

14. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर सूरदास के व्यक्तित्व की किन्हीं **तीन** विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । **6**

अथवा

'पहाड़ों की चढ़ाई में भूप दादा का कोई जवाब नहीं' – कथन के आलोक में उसके चरित्र की किन्हीं **तीन** विशेषताओं पर 'आरोहण' कहानी के आधार पर प्रकाश डालिए ।